रसिया रसेश्वरी

(ब्रज लोक गीतेश्वरी)

रसिया रसेश्वरी

(ब्रज लोक गीतेश्वरी)

(मान मंदिर सेवा, संस्थान, बरसाना)

श्रियै नमः

रसिया रसेश्वरी

(ब्रज लोक गीतेश्वरी)

प्रकाशक

मान मन्दिर सेवा संस्थान

गहवर वन, बरसाना (मथुरा)

अष्टम् संस्करण - ५००० प्रतियाँ न्यौछावर : साठ रुपये

विषय सूची

राधा माधुरी	१	बसंत	२९६
कृष्ण माधुरी	३५	होरी	२९८
गोपी माधुरी	९९	पनघट	३३८
सावन	१७६	चोर शिखामणि	३४९
झूलन	१८०	बंदर लीला	३५४
कृष्ण जन्म बधाई	१९२	मान लीला	३५७
राधा जन्म बधाई	२०४	ब्याहुलो	३६०
दधि माधुरी	२२१	कालीदह	३६३
लाल वृषभ-दोहन	२५५	श्रीगहवरकुंजलीला	३६६
सांझी लीला	२५७	दाऊजी	३७१
वन विहार	२६०	यमुना तट	३७४
मुरली माधुरी	२६१	धाम	३७७
महारास	२७७	वात्सल्य माधुरी	३९०
दीपावली	२८७	श्री राम	३९३
गोवर्धन धारण	२८८	आज के चोर	३९७
गोचारण	२९३	परिशिष्ट	३९९

अणुक्रमणिका

अरि मनमोहन की	११	आवो रे कुंवर कन्हाई	११०
अरि मेरे दोऊ	४७	आये आये मनमोहन	१३३
अरि बिछुर गयो	४८	आओ बिहारी मेरे	१३४
अरी डरपावै आयो	६७	आयो माखन चोर	१५९
अरी दधि बेचन	८६	आई घटा कारी-कारी	१७०
अरे मत निकसै	९८	आयो आयो मेरे झूलन	१८०
अरे मान ले	११४	आनन्द झूम रह्यो	२०६
अइयो अइयो कान्हा	१३७	आज बजी बधाई	२११
अरे मत घूंघट	१४८	आज बजी बधाई	२१२
अपने लालाय तनक	१५५	आज बधाई आज	२१५
अइयो अइयो रे	१७४	आज रंगीली होरी रे	३२५
अरे राधा रानी चढ़ी	१८९	आई आई नन्द के रे	३४७
अरि बरसाने बजी	२०८	आओ आओ रे सखा	२३३
अनोखौ छैला ठाढ़ो	२२८	आयो मोहन हमारे	२३४
अरी होरी मे है गयो	३०४	आजा आजा नंदलाल	२३८
अरि मोपै सुन-सुन	२७२	आज भोर बरसाने	३१९
अंगिया मै का पै	३११	आज छोड़ के अयोध्या	३९५
अपने अपने रूपन	३७०	इक श्याम छैल ब्रज	५६
अब घर कैसे जाऊं	३७४	इतनी मती उड़ै तू	८४
अरे ह्यां गहरो पानी	३७६	इंडुरी मेरी लै गयो	३४१
अरि नंदगाम बड़ो	३८९	इनको कृष्ण रूप ही	३९७
अरे हरि चरनन	४१६	उमड़ रह्यो उमड़	३४८
आज मिल गई गली	६६	ऊधम मोपै सह्यो न	१७२

ऊँचे नंदीश्वर पर्वत ३८६
ए जी सुनो बंसी १८०
ए कान्हा छाड़ो न ३४८
एक दया कौ रह्यो ३९८
ऐसो चटक मटक ३५
ऐसो भयो नन्द कौ ४३
ऐसी कौन न मोहै ८६
ऐयो ऐयो मेरे घर १०५
ऐयो रे मेरी डगरिया ११३
ऐसी गल रही मैं १५१
ऐ श्याम चलो ऐयो १५४
ऐसी वंशी श्याम २६७
ऐसो रास रच्यो २८५
ऐसो ढीठ भयो ३४९
कन्हैया राधा रानी २६
कंह ते आय गयो १४९
कन्हैया ते प्रीति १६२
कन्हैया प्यारे आय १६८
कदम वन झूलन १९०
कन्हैया रंग तो पै २९८
कहाँ जाऊं कहा ३३९
कन्हैया मेरी गगरी ३४२
करुणा सुनो कृपा के ४२७
कर लै दृढ़ विश्वास ४२४
कह रहे भरत रहूगण ४२६
काहे मोहन संग १२७
काउ दिन सबरी १३२
कान्हा कारे तुम तो १४०
कान्हा चोरी करवो १४९
कारे कारे हट जा रे १५३
कान्हा जनम लियो १९७
कान्हा तोर ला २३१
कान्हा मेरे माखन २३६
काहे बंसी तू रात २६९
कान्हा पिचकारी मत २९९
कान्हा ते कैसे ३२०
कान्हा काहे को ३४४
काली दह ते निकस ३६५
काहे मल मल चाम ४०८
काउ दिन एक पलक ४१५
काया पिंजरा नौ ४३०
कीरति की सुकुमारी २१
कीरति जू के कन्या २०९
कैसे जाऊं बचके १२७
कैसी चतुर सयानी ८१
कैसे झूम रहे १७९
कैसी ऋतु सावन १८३
कैसे जाऊं रे हां हां २०१
कैसे मांगै दान २४३
कैसे नाहिं करूं जब २५३
कोई माखन चोर री ७९
कोइ मिलाय दै १४३
कोई मोते लै लेओ २३६
कोई इकली जइयो ३४०
कोई न जानै कब ४३१
कौन दुहावै गैया ७३
कौन मेरे धंस आयो १६१
खिलौना चंदा लैहों ३९
खिल गये कमल २००
खिलौना माटी को ४१८
खेलैं गेंद कृष्ण १६७
खेलैं महारास वृंदावन २७७
खेलो खेलो रे ३२८
खोर सांकरी की २२१
गई री गई कहाँ ३३
ग्वलिन कैसी झूठी ९०
गगन में कौन उड़ै २६०
गहवर वन की कुंज ३८४
गागरिया मेरी उचावैगो ५३
गावो गावो री बधायो २०४
गाय छोड़ हरि दुह ३६४
गिरिवर धार लियो २९१
गिरिवर गिर न परै २९२
गुजरिया झूठी है ६५
गोपिन पाछै डोलै ६९
गोरी कब तक नैन १३२
गोपी झमक झमक १९९
गोरी बचके चली २४४
गोरी बरसाने की ३१७
गोपिन की लागी ३३८
गोकुल में सोर भयो ३८८
गोरी काम चिता मे ४०१
घूंघट मे ते देख १४३
चरन जाके दाबैं ११
चढ़ी रे अटरिया पै १३९
चलो अइयो तू १७१
चलो लैके बधाई २१८
चली है मटकी लैके २४०
चलहू श्याम अब २९४
चढ़ के नंदगांव पै ३१४
चढ़ पर्वत ऊपर ३५८
चुनरिया रंग में ३००
चोरी की सब झूठी ३५३
चोर चोर माखन चोर ६०
छेड़े रोज डगरिया मे ३०१
छोड़ दे गैल हमारी २३७

छोटो सो मेरो छौना ८८
जब ते देख्यो ११९
जन्मे दीनदयाल रे १९२
जनम लियो राधा ने २१३
जतन सों राखियो ३२६
जसुदा मैया लाल ३६५
जय माल कर लैके ३९३
जा परे मोहि मत ९९
जाने कब मेरे घर १३५
जा रे जा रे मोहन २४२
जाने कब तक कानन ४०६
जाको राखै कृष्ण ४१०
जा ने राधा नाम न ४१४
जारै ईंधन राशी को ४३६
जिस गली से दिवाने ४०३
जीवन के ये दिन ४१३
जुलम करै ये घूंघट ६३
जै जै वृषभानु दुलार ७
जै जै नित्य धाम ३२३
जै जै बरसानो गाम ३७७
झुक ही गयो सिर ३८३
झूठी बड़ी ये लुगैया ९०
झूला झूल रहे पिय १८५
झूला झूलैं राधा १८६
झूला झूलैं यमुना के १८८
झूलन लागी झूला १९०
टेढ़ो टेढ़ो श्याम ६९
ठगिया बड़ौ नंद कौ ३५५
ठाड़ो रहियो रे श्याम १०४
ठाड़ो यहां कहा करे १०९
ठाड़ो रहियो रे मत १६५
ठाड़ी अपनी अटरिया ३३०
ढांढिनि कहै सजन २१३
ढीठ हठीलौ अलबेलौ ८२
ढीठो ढीठो रे भयो १००
ता ता थैया ता ता ३७३
तू बंसी नेंक बजैयो २७३
तेरी वंशी ने कियो २६१
तेरो चाकर है नंद २६
तेरी नजर है या ५९
तेरे नैंना कर रहे ७०
तेरे गुलचा गाल ७१
तेरे नैंना बान कमान ९७
तेरे बिना मैं रोई रे १६८
तेरे मन मे कहा बसी २२५
तेरी सब बाधा कट ४३४
तैने छोड़े कहां मोर ९३
तैने जादू डाला रे १०१
तो ते नैंना जो १११
तो ते नेहा लगाय १३८
दधि लूट लियो २२७
दहिया मथ रही रई २५५
दान मैं तो नाय २४७
दिखाओ गिरिधारी ११८
दिवला भानु भवन २८७
दिखाय दै प्यारी ३६६
दीनानाथ कृष्ण ४२१
दुनियां भर के दुख १२२
देखो नांचै कन्हैया ७६
देखो छांड़ो ना ११२
देख्यो री आज ३४५
देखो देखो आयो ३९४
दै जाओ तुम दान २४६
धनि धनि बरसाने २९७
धनि धनि ब्रज मंडल ३५४
धीरे चलो पीछे ते ८५
नखरारो सांवरिया ७८
नजरिया मत मारै १३६
नंद के भये नंदलाल २०३
नंद जू को छैया ३४२
नाय छोड़ै री मेरी २५०
नाचै नाचै रे कन्हैया २८४
नीलम का नगीना मेरा ५४
नीलम का नगीना ५५
नेक हेल उचाय जा १०२
नैना गिरिधर ते ८१
नैना चुभैं पीर न १२५
नैना चलावै घनघोर १३९
नैना हरि सौं ऐसे १६४
नैंना ही मे नैंना ३६९
प्यारी की पायलिया २८
प्यारी झूलन मे रस १८४
प्यारी आओ खेलैं २९६
परबस है के ठाड़ी ५९
परलै पर गई बंसी २७३
पनघट पै आयो ३४६
पर्वत पै कोंहक भयो ३८५
पर्यो पलकां पै ४१९
पल पल आयु घटै ४२०
पिय की प्रानन प्यारी १७
पिय तेरे संग नचूंगी १७२
पुरवैया बह रही ४३५
पूतना जो तारनहारो ७७
फुलवा बीनें राधा २५७
ब्याह करायदै री ७९
बरसाने की गैलन १८

बंसी वारे ते लगायलै ३८
बड़ौ जुलमी हमारो १०३
बलिहारी तेरे बतियां १०८
बन बन ढूंढूं सांवरिया १११
बधाई बाजै मंदिर मे १९६
बधाई बाजै भानुराय २१७
बरसाने वारी दैजा २२९
बंसी तो बाजी २६५
बंसी बाज रही २७०
बरसाने सुन लई घोर २७१
बरसाने की गोपी ३२२
बरसानो रसमय ३७६
बसंती रंग बरसैगो २९७
बंगला तीन खनन ४२९
ब्रज कौ रसिया ३६
ब्रज मे कैसे रहूं ७२
ब्रज के राजा ३७२
ब्रज तो है प्रेम ३८२
ब्रज की रज में ४३३
ब्रज में बादर पानी २८५
बाट तकूं मैं तेरी १३०
बादर गरजैं बिजुरी १७७
बाबा नंद द्वार पै १९५
बाजै बाजै री बधाई १९८
बाजै बाजै आज बधाई २१९
बाजी बधैया सवेरे २२०
बांसुरिया बजाय जा २६३
बाजी बाजी रे २६४
बाजी रही आधी रात २७४
बाजी मीठी मीठी २७६
बांध्यो मैया यशोदा ३९१
बिक गयो कुंज १९
बिगड़ी बना ले ४०५
बोल हरि बोल ४११
भम्भो जो नाय देगी २५४
भायेली छैला श्याम १५७
भानु की पौरी ३६२
मन में बस्यो री ६४
मन रम रह्यो नंद १४२
मत जा मत जा १५८
मन तो मेरो लै १७०
मत बनै निरमोही १६०
मटकी बरसाने में २५१
मनुवा नेंक कह्यो ४१७
मन्दिर शिखर मान ३५७
मन्दिर मान मानगढ़ ३५९
मालिन बरसाने में ९४
मार गई तानो १५१
मार्‌यो मार्‌यो री १५६
माखन दै दे तनक २३४
माखन चोरन गये ३५१
माखंन खाय लै खूब ३९०
माता देवहूति सौं ४२७
मीठी तेरी छाछ २३२
मुरली वारो मेरो ३७
मुरलिया मधुर बजाई १८७
मेरो राधा नाम १
मेरी टेर सुनो १०
मेरे घर कबहू न ५१
मेरो सांवरो सलोना ५४
मेरे मन में बस्यो ११२
मेरे आगै पीछै डोलै १२३
मेरे धुकर पुकर जिय १२६
मेरो प्यारो है सांवरिया १२९
मेरे हियरे में आग १४५
मेरे हियरे में बस्यो १४७
मेरी मुंह लगी मुरली २७५
मेरी अंखियन मे ३०५
मेरे मुख पै अबीर ३६०
मेरे मन की समझै ३१२
मेरी सास लड़ै ३२९
मेरे पीछै ते मारै ३४०
मेरो कनुआ आंखिन ३९१
मेरे कनुआ कौ ४९९
मेरे मन मन्दिर में ४३२
मैनें तो सौं नैन ४१
मैं कैसे प्रीति लगाऊं ४२
मैं जागूं नींद न ४६
मैनें तोहि ते नेह ५२
मैया दियो लड्डू ५८
मैया तेरो लाला १०२
मैं तो तेरे हाथ ११७
मैं तो सांवरिया के ११९
मैं तो श्याम मिलन १२४
मैं तो जोगनियां बन १३१
मैं वारी तेरे ऐयो १६६
मैं कैसे आऊं कान्हा २६६
मैया टीको कर रोरी २९३
मैं कैसे होरी खेलूं ३१०
मैं तो होरी खेलन ३३५
मैया मेरे बैर परी ३५०
मोहन है चित्त कौ ४०

मोहन मोय रिझाय ४४
मोहन वृन्दावन के ३८७
मोहन की प्यारी ४९
मोहन सुजान दिन ४९
मोहन काहै कौ ११०
मोहै बावरी कहैं सब १२१
मोरा कोंहक कोंहक १७६
मोय दै जा दधि २३०
यशोदा दधि बिलोवै ८८
यशोदा मैया लालय १०२
यशुदा के छैया १०७
यशुदा के छैया बहुत १०८
यशुदा कौ छैया बड़ौ १४५
यमुना पै श्याम ३४५
यमुना लहर लहर(दाऊ) ३७१
यमुना लहर लहर ३७५
यारी मोहन ते लगाय ६८
यारी जोरूंगी मोहन १५०
या में कहा लाज ३०२
ये कौन है अनोखी १६
ये कहा तो भयो ५६
ये आया माखन चोर ६१
ये तो माटी में ७५
ये गजरा फूलन कौ १०५
ये तो मोहन की १२९
ये काया मेरी औगुन ४०९
ये गौर श्याम की ४२३
रस भीनो सांवरिया ७५
रसीलो सावन आयो १८२
रंगीली होली आई ३०६
रंग मत डारै रे ३२७
रंग चतुर गुजरिया ३३६
राधा रानी कौ सहारौ ३
राधे रानी की नथ ५
राधे अलबेली सरकार ६
राधा रानी कौ रंगीलो १३
राधा प्यारी कमल १४
राधा बनी कमल की १५
राधा मार गई री १६
राधा मेरी कंचन १९
राधा रानी तेरो प्यारो २०
राधिका लाड़िली १५५
राधे रानी रस की २१
रानी बड़ी हैं दयाल २३
राधा भोरी भोरी २५
राधे रानी कृपा ३१
राधे क्लेश नाशनी ३२
राधावर कुंज बिहारी ६२
राधा गोरी मोहन ७३
राधा रानी कौ कन्हैया ९६
राधा जनम भयौ २०५
रानी कीरति के २०७
राधा जनम बधाई २१६
रासेश्वरी राधिका २८३
राधा नव ब्रजबाल ३३२
राधा माधव खेलैं ३६७
राधा सोने हू ते ३६८
राधा रानी कौ है ३७८
राधा नाम नदिया ४००
राधे गोविंद भज ४२५
रैना कारी नागिन १४४
लग जाएगी नजर ९५
लगन ऐसी लागी १०४
लगन ऐसी लगाय ४०७
लंका जीत गये ३९६
लाल लाल चूनर ३०
ला रे नाव अरे ९२
लालन धीरे धीरे ३९३
लै गयो चीर मुरारी ३४३
वंशी के बजैया रे ७२
वृषभानु कुंवरि सुख ८
वृन्दावन रास रच्यो २८६
वृषभानु नन्दिनी ३६०
वृन्दावन काली दह ३६३
वा दिन भाज गई ८३
वा दिन बिक गई १६३
सरस मधुर वृषभानु ५
सजनी राधे जू १३
सहारो राधा रानी कौ ३२
सज के चली राधा ३४
सररर सररर रे १८१
समझाय लै अपनो २५२
सब उपनिषद तपस्या २९४
सगाई तेरी फ़िर ३५१
सब सौं सुन्दर है ३८०
सबरै ब्रज कौ मोह १५८
सांवरिया लाड़ला २९
सांवरिया की प्यारी ५७

सांवरिया मो ते मत	१२५
सांवरिया होलै बोल	१३७
सांवरे तोहे नंद	१७५
सावन की अंधियारी	१७८
सांवरिया जान दै	२३९
सांझी खेलै छैल	२५८
सांवरिया होरी खेलन	३३४
सुन री यशोदा मैया	११५
सुन लै री यशोदा	१२८
सुन्दर श्याम सलोना	१४१
सुन्दर भानुराय की	२२०
सुन सुन रसिया	२६५
सुनाय मुरली कन्हैया	२६८
सुन ब्रज के ठगैल	३२१
सुनहु विनय श्री	४३६
सोने के द्वै कमल	४
श्याम सुन्दर मन	३५
श्याम बड़ौ जादूगर	५५
श्याम तू बड़ौ अनाड़ी	११६
श्याम टेढ़ी नजर	१४६
श्याम रंग में ऐसी	१६९
श्याम ने अकेली	१७३
श्याम तैनें काहे को	२४५
श्याम नैंनो की मारै	३४१
श्याम चराय ला गैया	३९२
शरण में तेरी आयो	९
हमकूं कहा और सौं	२
हंस हंस कण्ठ	१०५
हरि प्यारे की बंसी	२६३
हरि होरी कौ खिलार	३०३
हरि बिन सब दुनियाँ	४०१
हो मोहना मेरे बागों	१३५
हो कान्हा प्यारे	२७५
होरी खेलै तो आजैयो	३०९
होरी आई रे ब्रज में	३१३
होरी में कीरति ने	३१५
होरी खेलैं राधा	३३१
होरी की मौज आई	३३३
होरी में काहे भागै	३३५
होरी गये रंग डार्‌यो	३३७
हौं तेरी तेरी हौं	३९८
श्री राधा प्यारी(रानी)	२२
श्री राधा प्यारी(हरि)	२३
श्री राधा प्रेम नदी	१९१
श्री नंद बाबा के	४१
श्री बरसानो रस	३८४

श्री राधा माधुरी

मेरौ राधा नाम सहारौ, जैसे प्यासे कूँ पानी।।

राधा नाम रटैं नन्द-नन्दन
याते श्याम भये जग वन्दन
सिद्ध कियो मुरली की तानन
राधा नाम प्रताप सबै मोहै मुरली रानी।
शिव ने श्री राधा जस गायो
याते महारास रस पायो
रासेश्वरी कृपा दरसायो
राधा नाम प्रताप कृष्ण-रस सब जग ने जानी।
राधा नाम जप्यो ब्रज गोपिन
कृष्ण प्रेमरस चाख्यो आलिन
जग में पूज्य भईं ये ग्वालिन
जिनकी चरणधूर विधि मांगैं सनकादिक ज्ञानी।
वृन्दावन राधा महारानी
पक्षी बोलें राधा बानी
ये लीला देवन नाय जानी
राधा नाम रटै सो देखै लीला रस खानी।।

हमकूँ कहा और सौं काम, हमारी राधे महारानी।।

जाके बल हरि रास रचायो
जाके बल रसराज कहायो
जाके बल हरि बेनु बजायो
जाके चरनन की सेवा हरि करैं भाग मानी।
गहवर वन राजैं श्री राधा
कृष्ण प्रेम रस सार अगाधा
जाके नाम कटैं सब बाधा
श्री बरसानो नित्य धाम वृन्दावन रजधानी।
धन-दौलत की आस नेंक ना
विषय भोग सौं गरज नेंक ना
मुक्ति हू की चाह नेंक ना
प्रेम पंथ में देखैं ना हम राजा और रानी।
शब्द ब्रह्म नूपुर रव व्यापक
पद-नख पार ब्रह्महि प्रकाशक
पद-रज परा भक्ति कौ दायक
कर्म धर्म अन्याश्रय छाड्यो कृपा देओ दानी।।

राधा रानी को सहारौ मेरौ सांचौ है भली।।

श्री राधा वृषभानु कुमारी
महारानी हैं भोरी भारी
चँदा हू ते रूप उजारी
सदा विराजैं बरसाने में कीरति की लली।
कबहूं खेलैं पीरी पोखर
कदमन छैयाँ प्रेम सरोवर
सुन्दर है वृषभानु सरोवर
ठौर-ठौर पै लता झूम रही कुञ्जन की गली।
कबहूं आवै खोर सांकरी
मोहन जहाँ मथनिया फोरी
दधि ते भीजी ब्रज की गोरी
श्री राधा उरजन की शोभा देखैं श्याम छली।
श्री गहवरवन नित्य विहारैं
जहाँ साँवरो डगर बुहारैं
राधा राधा नाम उचारैं
फूलन ते सिंगार करैं लै कमलन की कली।।

सोने के द्वै कमल खिले हैं राधा रानी के चरण।।

प्रेम पंक में हैं उपजाये
रस के जल मे हैं सरसाये
लीला लहर झकोरा खाये
भानुलली मुख भानु देखके खिले सुनहरे वरन।
अंगुली दश पंखुड़ी खिलीं हैं
दश नख चन्द्रन सों विलसीं हैं
जगर मगर छवि किरनमयी है
कृष्ण भ्रमर गुञ्जार करत नित पीवत रस की झरन
दिव्य सुगन्ध उठे अति भारी
श्री गहवरवन कुञ्ज मझारी
आनन्द वायु मोद संचारी
सहचरि देखत यह शोभा मतवारी छवि की भरन।
शाप शोक अघ सबहि नसावैं
त्रिविध ताप की जरन बुझावैं
रस श्रृंगार दिव्य दरसावैं
युगल प्रेम के दाता जे जन लेवैं इनकी शरन।।

राधे रानी के नथ पै मोर, नाचै थेई-थेई।।

नीली साड़ी सुरंग रंग अंगिया,
साड़ी पै कारी कोर,नाचै थेई-थेई।
गोरे-गोरे हाथन नीली-नीली चुरियाँ,
मेंहदी रची है चित्तचोर, नाचै थेई-थेई।
उंगरी बीच नगीना चमकै,
गहनन की घनघोर, नाचै थेई-थेई।
झालरदार कौंधनी पायल,
बिछुआ कर रहे शोर, नाचै थेई-थेई।
झुकि-झुकि झाँक रहीं सब सखियाँ,
बढ़ै आनन्द हिलोर, नाचै थेई-थेई।।

------o------

सरस मधुर वृषभानु लाड़िली।।

गहवर कुंजन केलि करत नित हरि की चित्त चाड़िली
मंदिर मान करति पिय चरननि लोटत मिलत माड़िली
कबहूं कृपा करेंगी राधा आशा और छाड़िली।।

------o------

राधे अलबेली सरकार, रटे जा राधे श्रीराधे।।

श्री बरसाने राज रही हैं
ब्रजमण्डल में गाज रही हैं
है वृन्दावन दरबार, रटे जा राधे श्री राधे।
महारानी कौ बड़ौ सहारौ
येई भरोसो मोकूं भारो
ये नैया है जाये पार, रटे जा राधे श्री राधे।
माखन जैसो उनको हिरदय
जाय पिघल झट करदें निर्भय
अति भोरी है सरकार, रटे जा राधे श्री राधे।
ब्रह्मा विष्णु शम्भु हू खोजत
इनकी दया श्याम हू मांगत
नित बरसावै रस-धार, रटे जा राधे श्री राधे।
सब आत्मन के हैं हरि आत्मा
श्री राधा उनकी हू आत्मा
यह कियो रसिक निरधार, रटे जा राधे श्री राधे।।

------o------

जै जै वृषभानु दुलार, महारानी ब्रज के मण्डल की

माथे बंधी चन्द्रिका चमकै
जामें हीरा दम-दम दमकै
ये शीश फूल छविदार, महारानी ब्रज के..।
कानन झुमके बड़े सलौने
कजरारे नैंना अनहोने
मुख पै दऊँ चन्दा वार, महारानी ब्रज के..।
बांह भरा बाजूबंद सोहै
कञ्चन चूरी हरि को मोहै
मेंहदी की छटा अपार, महारानी ब्रज के..।
कंठ सिरी और दुलरी तिलरी
अंगिया हीरा रतन जड़ीली
गल में मोतियन को हार, महारानी ब्रज के..।
पचरंग फरिया कैसो नीको
नीली सारी काम जरी कौ
है लहंगा घूम-घुमार, महारानी ब्रज के..।।

------o------

वृषभानु कुँवरि सुखधाम,जैजै कीरति सुकुमारी की

भानु बबा की बड़ी लाड़िली
कीरति मैया कहे हठीली
बेटी जेंयवे में सकुचीली
भैया श्रीदामा नाम, जै जै कीरति..।
लाली भोर भये हू सोवै
कीरति मैया आय जगावै
लडुवन ते नित भोग लगावै
उठ चमक्यो सूरज घाम, जै जै कीरति..।
पीरी पोखर खेल मचावै
गुञ्जा और मेवा लै जावै
बेर भये हू घर नहिं आवै
बोलन जावै श्रीदाम, जै जै कीरति..।
कबहूँ निकसै गली सांकरी
कबहूँ नौबारी चौबारी
कबहूँ गहवर वन की क्यारी
आय मिलै घनश्याम, जै जै कीरति..।।

शरण में तेरी आयो हेरी बरसाने की।।

जा प्रभु कौ खोजत सुर मुनि नर
जोगी जपी तपी विद्याधर
भटकत फिरैं प्रेमी जन दर दर
खोज नहि कोऊ पायौ, हे री बरसाने की।
ताको बांध्यो लट-लटकन में
कंचुकि और नीवी बन्धन में
तिरछे नैनन की चितवन में
भेद वेदहु नहिं पायो, हे री बरसाने की।
मृगमदबिन्दु भाल करि राख्यो
चोवा करि उर चुपरि जु राख्यो
अंजन कर नैनन में राख्यो
श्याम जबतेई कहायौ, हे री बरसाने की।
यह रस हियरे में तब आवै
भानु नन्दिनी जब ढरकावै
नहिं तो रंचक हू नहिं पावै
किशोरी कौ जस गायौ, हे री बरसाने की।।

मेरी टेर सुनो महारानी, रानी राधे जू महाराज।।

कबते द्वार पर्‌यो हूँ तेरे
तुम बिन और न कोऊ मेरे
भवसागर की रैन अँधेरी,डूब्यौ जाय जहाज।
काम क्रोध की लहरें आवैं
बेटा बहू कच्छ बन खावैं
उठ्यो भभूड़ो मोह जाल कौ सजके अपने साज।
भाव भगति कछु मोमें नाहीं
जाते श्याम ढरैं मो माही
अब तौ बहुत भई है लाढ़ो, बेर ते होय अकाज।
राधा चरण शरण में आयो
बड़ौ ठिकानो गहवर पायो
ब्रह्मा शिव तरसैं याको ह्यां प्यारी जू कौ राज।
नित्य विहार प्रेम कौ धामा
अपने हाथ बनायौ श्यामा
पाऊँ नित्य वास गहवरवन रसिकन जुर्‌यो समाज।

------o------

अरि मनमोहन की है प्यारी,राधा वृषभानु दुलारी।।

बरसाने की कुँवरि लाड़िली,ब्रज की रूपउजारी
रास रसीली छैल छबीली, मधुरे बोलन वारी
रंग रंगीली गुन गरबीली, प्रेम भरी मतवारी
बड़ी दयाल कृपा की मूरति,श्यामा भोरी भारी
गोरे तन पै नीली साड़ी, हीरा जड़ी किनारी
रतन जड़ीली अंगिया चमकै,लहंगा घूमघुमारी
इनकौ रूप येई दरसावैं,चरन कमल पर वारी

------o------

चरन जाके दाबैं गिरिधारी

चरन जाके दाबैं गिरिधारी
उनकी लै लई शरण, नाम जिनकौ राधा प्यारी।
हीरा जड़ी चंद्रिका सिर पै
लर मोतिन की लटकै तापै
देख रहे मोहन गिरिधारी
देख रहे मोहन गिरिधारी
उनकी लै लई शरण, नाम जिनकौ राधा प्यारी।

कबहूँ ब्यार करै पीताम्बर
कबहूँ चरनन देय महावर
तोर तिनका जाय बलिहारी
तोर तिनका जाय बलिहारी
उनकी लै लई शरण, नाम जिनकौ राधा..।
कबहूँ लैकैं चंवर ढुलावैं
कबहूँ लै आरसी दिखावैं
खबावैं बीरी लै प्यारी
खबावैं बीरी लै प्यारी
उनकी लै लई शरण, नाम जिनकौ राधा..।
कबहूँ चरनन मुकुट छुवावैं
रूठी मानिनि आय मनावैं
देय वा पै तन मन वारी
देय वा पै तन मन वारी
उनकी लै लई शरण, नाम जिनकौ राधा..।।

------o------

सजनी राधे जू रस की खान,
श्याम की मंद मंद मुसकान।।
श्यामा बसी श्याम की अँखियां
श्याम बसे प्यारी की अँखियां
सजनी नैनन की उरझान, श्याम की..।
हृदय महल के बीच बसे दोऊ
नैनन सैनन देख हंसे दोऊ
सजनी सखियन के हैं प्रान, श्याम की..।
कुंज भवन में फूल बिछौना
ता पै खेलैं प्रेम खिलौना
सजनी गावैं रस के गान, श्याम की..।।

------o------

राधा रानी को रंगीलो दरबार, पर्‌यो रह कुंजन में।।
मार धार सबकी तू सहियो
भूख प्यास को ध्यान न रखियो
तब कृपा करें सरकार, पर्‌यो रह कुंजन में।

राधा राधा रटन लगैयो
तन मन धन सों सेवा करियो
तेरो है जाय बेड़ा पार, पर्‌यो रह कुंजन में।
इन द्वारन सों कबहू न हटियो
देहरी पर सिर घिसतो रहियो
रस बरसै धूआधार, पर्‌यो रह कुंजन में।।

------o------

राधा प्यारी कमल कौ फूल, मोहन भंवर बने।।
उड़-उड़ भंवर फूल रस लैवे
श्री यमुना के कूल, दोनो प्रीति सने।
दै गलबैंया हंस बतरावैं
आपुन को गये भूल, प्रेमी दोऊ जने।
जैसे चंदा और चकोरा
ऐसे रस में झूल, प्यारे दोऊ बने।।

------o------

राधा बनी कमल की माल, श्याम भंवरा सो बन्यो।।
राधा कीरत की है जाई
मोहन जसुदा को लाल, श्याम भंवरा..।
राधा ऊँचे महलन वारी
वन-वन डोलै गोपाल, श्याम भंवरा..।
राधा चूनर जड़ी किनारी
कारी कामर ओढ़ै लाल, श्याम भंवरा..।
राधा गोरी सोन जुही सी
नंदलाला नील तमाल, श्याम भंवरा..।
राधा हाथन मेंहदी सोहै
लठिया हाथ गुपाल, श्याम भंवरा..।
राधा पायल बिछुवा बाजै
बंशी बाजै नंदलाल, श्याम भंवरा..।
राधा गहवर कुंजन लेटीं
पद चांपैं नंद को लाल, श्याम भंवरा..।।

------o------

ये कौन है अनोखी नई आई, कंह ते ये रूप लूट लाई।।

ललिता सों बूझत मनमोहन
मोकूं बहुतै री मन भाई, कंह ते ये रूप..।
गोरो मुख और बड़ी-बड़ी अँखियां
कजरा की रेख लगाई, कंह ते ये रूप..।
गोरे गालन झुमका झूमै
नथ झलकारी पहर आई, कंह ते ये रूप..।
साड़ी हरी औ जड़ाव की अंगिया
लहंगा लाल झुका लाई, कंह ते ये रूप..।
ये हैं श्री वृषभानु नंदिनी
रानी कीरति की जाई, कंह ते ये रूप..।।

------o------

राधा मार गई री, मार गई री, नैंना तरसैं रे सांवरिया।

अंखियां बड़ी मानो हिरनी की
अंखियां मिली नंदनंदन की
जादू डार गई री, डार गई री, नैंना तरसैं..।
गोरे गोरे मांथे बेंदा

लाल होठ मुख चमकै चंदा
घूंघट टार गई री, टार गई री, नैंना तरसैं..।
हाथन में लै कमल फिरावति
थोरी थोरी सी मुसकावति
गजबै ढार गई री, ढार गई री, नैंना तरसैं..।
घूम घुमारे लंहगा वारी
चूनर लाल चाल मतवारी
जियरा फार गई री, फार गई री, नैंना तरसैं..।।

------o------

पिय की प्रानन प्यारी रे,

जै जै भानुदुलारी रे, जै जै भानुदुलारी रे।।
बरसाने खेलै लै सखियन, नंदगाँव गिरिधारी रे..
बैठी गहवर वन कुंजन में, कृष्ण जाय बलिहारी रे..
कबहू पान खबावै प्यारो, कर-कर के मनुहारी रे..
कबहू दरपन लै दिखरावै, प्यारी छवि पै वारी रे..
कबहू मोहन चरन दबावै, भाग मान बनवारी रे..
कबहू मोहन बेनी गूंथै, फूलन माल संवारी रे..।।

बरसाने की गैलन डोलै रे,
कान्हा बावरो, कान्हा बावरो।।

पूछत डोलै राधा प्यारी
चन्द्रमुखी तन नीली सारी
राधा राधा मुख बोलै रे, कान्हा बावरो..।
बैठ्यो मोहन खोर सांकरी
देख्यो चुनतो तहां कांकरी
दधि मटकी की करै मौलै रे, कान्हा बावरो..।
गहवर वन कुंजन की गलियन
सेज बिछावै फूल पंखुड़ियन
मन प्रीति गाँठ तंह खोलै रे, कान्हा बावरो..।
मंदिर मान मनावै प्यारी
मोर पंख पग धर गिरिधारी
हंस-हंस करत किलोलै रे, कान्हा बावरो..।।

------o------

राधा मेरी कंचन गोरी रे।।

नंदगाँव को कुंवर कन्हैया, वो तो कारो-कारो,
राधा मेरी सोने सी गोरी रे।
नंदगाँव को कुंवर कन्हैया चोर बड़ो लगवारो,
राधा मेरी भोरी भारी रे।
नंदगाँव को कुंवर कन्हैया बांस बसुरिया वारो,
राधा मेरी वीणा वारी रे।
नंदगाव को कुंवर कन्हैया वन-वन डोलन वारो,
राधा मेरी महलन वारी रे।
नंदगाँव को कुंवर कन्हैया ओढ़े कामर कारो,
राधा मेरी चूनर सारी रे।
नंदगाँव को कुंवर कन्हैया नंदगोप को वारो,
राधा मेरी राज दुलारी रे।।

------o------

बिक गयो कुंज विहारी, देख राधा प्यारी।।

मोर मुकुट कुंडल हू भूल्यो
टेड़ी पाग बिसारी, देख राधा प्यारी।

वंशी गिरी हाथ ते भूल्यो
वन माला हू डारी, देख राधा प्यारी।
गिर्‌यो पीतपट देख राधिका की
अँखियां कजरारी, देख राधा प्यारी।
मुंदरी गिरी देख प्यारी की
झमक चाल मतवारी, देख राधा प्यारी।
भूल्यो आपन को मन मोहन
बसी बरसाने वारी, देख राधा प्यारी।।

------o------

राधा रानी तेरो प्यारो मैं देख आई री।।

घूंघर वारी लटुरी चमकैं
जापै मोर पंख सिर धारो मैं देख आई री।
प्यारी अंखिया चितवन प्यारी
जामें खुभ रह्यो कजरा कारो मैं देख आई री।
ऐसी वंशी लाल बजाई
जानें ब्रज में जादू डारो मैं देख आई री।
प्यारी प्यारी मोहिनी मूरति
जाके आगे चंदा खारो मैं देख आई री।।

राधे रानी रस की खानी, तेरो जस गायो है।।

काल डरै जा प्रभु की भौंहन
सो तेरी भौंह डरायो है, डरायो है, तेरो जस..।
जाकी उंगरिन जग नाचै सो
उंगरी पकर नचायो है, नचायो है, तेरो जस..।
काल कर्म गुन बांध न पावैं
सो तेरो प्रेम बंधायो है, बंधायो है, तेरो जस..।
जाको भेद वेद नहिं पावैं
छाछ पै नाच नचायो है, नचायो है, तेरो जस..।
नेति-नेति जेहि कोउ न पावै
सो तेरे चरन दबायो है, दबायो है, तेरो जस..।
ब्रह्मा वेद पढ़ें तेरे द्वारे
संकर ध्यान लगायो है, लगायो है, तेरो जस..।

------o------

कीरति की सुकुमारी लाली।।

आतुर विवश श्याम संग डोलत तजि निज बांकी चाली
मान करति हू प्यारी की मधु ते मीठी गाली
रसमय काया बोलन चितवनि सब विधि रस में घाली
बड़भागी गोरी के रस कौ अधिकारी बनमाली।।

श्रीराधा प्यारी लाड़िली रानी कीरति की सुकुमार।।

लाड़िली राधे तुम सुख दैन
द्वार पै आय पर्‌यो तुम हो मेरी सरकार।
लाड़िली राधे दीन दयाल
दया की कोर करहु मैं शरण तू ही आधार।
लाड़िली राधे परम कृपाल
कृपा बरसावो प्यासो मर्‌यो जात लाचार।
लाड़िली राधे जन प्रतिपाल
सहारो चरनन को अब करो देवि उद्धार।
किशोरी करुणामयी उदार
करो करुणा श्री राधे सुनकर करुण पुकार।
जहां ते नाद ब्रह्म प्रगट्यो
सुनाओ श्रीचरनन के नूपुर की झनकार।
बने हरिहू चकोर जिनके
दिखावो गौर रूप अपनो तुम परम उदार।।

------o------

श्रीराधा प्यारी लाड़िली हरि रसिया की रिझवार।।

श्री राधे जंह जंह चरन धरो
तंह तंह नैन बिछावै री प्यारो सुन्दर नंदकुमार।
श्री राधे जब तुम करो सिंगार
दर्पन तोहि दिखावै री प्यारो सुन्दर नंदकुमार।
श्री राधे कुंज गलियन डोलौ
गलियन में फूल बिछावै री प्यारो सुन्दर नंदकुमार।
श्री राधे कुंजन में राजौ
पंखुड़िन सेज सजावै री प्यारो नंदकुमार।
श्री राधे शैया पै पौढ़ौ
तेरे चरनन चांपै री प्यारो सुन्दर नंदकुमार।
श्री राधे सज धज जब बैठो
वार पानी पीवै वह प्यारो सुन्दर नंदकुमार।।

------o------

रानी बड़ी है दयाल, दयाल महारानी।।

राधा श्री राधा श्री राधा रटै
भव के ये सारे ही बंधन कटैं
रस पावै है जाय निहाल, दयान महारानी।

राधा है कंचन सी गोरी
भोरी भोरी नित्य किशोरी
जाके पद चांपै नंदलाल, दयाल महारानी।
राधा मुख चंदा सो चमकै
दामिनी सी देही है दमकै
जाके बेंदी सोहे भाल, दयाल महारानी।
सेंदुर मांग जड़ाऊं टीको
वेनी फूलन गुच्छो नीको
(जाकी) चोटी लटकै माल, दयाल महारानी।
अँखियां बड़ी बड़ी मतवारी
काजर रेख नुकीली प्यारी
झुमका गोरे गाल, दयाल महारानी।
चौली लाल हार हीरन कौ
कंकण बाजूबंद रतन कौ
हाथन मेंहदी लाल, दयाल महारानी।
तरहरिया फरिया मन मौहै
घूम घुमारो लहंगा सोहै
कटि किंकिणिं को जाल, दयाल महारानी।

पायजेब अनवट औ नूपुर
बजने बिछुवा पांय महावर
अलबेली है चाल, दयाल महारानी।
राधा पूजूं राधा ध्याऊँ
राधा सुमिरुं और मनाऊँ
दीनन की प्रतिपाल, दयाल महारानी।।

------o------

राधा भोरी भोरी नटखट नंदलाला।।

मेरी राधा गोरी सुन्दर
सुन्दर श्याम पै है वह काला।
राधा सकुचीली औ लजीली
चोर बड़ौ छलिया भर्‌यो जाला।
कारो हरि कैसो इतरावै
गोरो होतो कहा होतो हाला।
राधा सरल उदार छबीली
तीन ठौर टेड़ो नंदलाला।।

------o------

तेरो चाकर है नंदलाल, श्रीराधे बरसाने वारी।।

तेरी कजरारी अँखियन में बस
कारो भयो गुपाल, श्री राधे बरसाने वारी।
चितयो भौंह मरोरा दै
याते भयो त्रिभंगी लाल, श्रीराधे बरसाने वारी।
(तेरी) तनक छाछ मांगत डोलै
मनमोहन संग लै ग्वाल, श्रीराधे बरसाने वारी।
जब मान करौ तेरे चरनन में
आय झुकावै भाल, श्रीराधे बरसाने वारी।
तेरेई रंग को पीताम्बर
पहरै किंकिणि जाल, श्रीराधे बरसाने वारी।
तेरे ही आधीन सदा
तू नचवै दै-दै ताल, श्रीराधे बरसाने वारी।।

------o------

कन्हैया राधा रानी कौ भयो बिना मोल कौ चेरो।।

राधा राधा रटतो डोलै
राधा गावै राधा बोलै
बंशी में गावै राधा को, भयो बिना मोल..।

राधा नाम लिखे सब अंगन
राधा नाम गढ्यो सब गहनन
पीताम्बर रंग राधा को, भयो बिना मोल..।
मोर मुकुट में राधे राधे
कानन कुण्डल राधे राधे
तिलक नाम राधा को, भयो बिना मोल..।
हार गरे में राधे राधे
कठुला कंगन राधे राधे
गूंठी में नाम राधा को, भयो बिना मोल..।
कमर किंकिणी राधे राधे
घुंघरु बोलैं राधे राधे
नाचै लै नाम राधा को, भयो बिना मोल..।
जब देखूं डोलै बरसानो
राधा कारन भयो दिवानो
दरस चाहै राधा को, भयो बिना मोल..।
गहवरवन आवैं राधा जब
पाय दरस वाकी प्यास बुझै तब
चरन दाबै राधा कौ, भयो बिना मोल..।।

प्यारी की पायलिया बाजै।।

हांथन में कंगना हू बाजै
पतरी कमर कौंधनी बाजै,
नरम कलैयन चूरी बाजै
पग उंगरिन में बिछुवा बाजैं,
फिरकैयां फिरत विराजै, प्यारी की..।
राधे नाच रही मंडल में
चरन धरति ठुमकन ठुमकन में
देखत श्याम बिके विस्मय में
रीझे मोल बिके चितवन में
घूंघट में प्यारी लाजै, प्यारी की..।
ता ता थेइया ता ता थेइया
छूम छनननननन छूम छनननननन,
धा धा धुम किट धा धा धुम किट
झूम झनननननन झूम झनननननन,
सब गोपिन पर गाजै, प्यारी की..।।

------o------

सांवरिया लाड़ला प्यारा, राधिका लाड़ली प्यारी।।

मोर पंख सिर कानन कुण्डल सोहै हो
वन माला वैजन्ती माला गरवा हो,सांवरिया..।
माथे चमक चन्द्रिका कानन झुमका हो
दुलरी तिलरी हार गरे मणि माला हो, राधिका..।
पीताम्बर तन पै लहरावै फहरावै हो
बिजली में बादर मंडरावै हो, सांवरिया..।
कलश सुनहले अंगिया मे हलरावैं हो
ऊपर फरिया पचरंगी लहरावै हो, राधिका..।
घूम घुमारो जामा रसिया पहरै हो
जैसे दूलह नित्य नयो एंड़ावै हो, सांवरिया..।
घेरदार लहंगा गोरी पै सोहै हो
जैसे दुलहिन नित्य बनी सकुचावै हो,लाड़िली..।।

------o------

लाल-लाल चूनर उड़ाय गोरी कहां चली छबीली,
हाय हाय रे कहां चली छबीली।।
वृदावन की कुंज गलिन में
पीछे-पीछे श्याम रह्यो आय, गोरी कहां..।
चोली ऊपर मोतिन माला
मुंदरिन कूं चमकाय, गोरी कहां..।
गोरे रंग पै बैंगनी सारी
साड़ी पै कौंधनी बंधाय, गोरी कहां..।
पांयन नूपुर उंगरिन बिछुए
बिछुवन झनक सुनाय, गोरी कहां..।
लटू-भटू करके गिरधारी को
चितवन चोट चलाय, गोरी कहां..।
प्रेम बावरो भयो सांवरो
राधे राधे गाय, गोरी कहां..।।

------o------

राधे रानी कृपा बरसाओ, दरस दिखराओ,
मैं तेरी हूं शरणी।।
सुख की आशा सों या जग में
बहुतै भटक्यो विष विषयन में
अब तो मोहि अपनाओ, दरस दिखराओ, मैं..।
तेरी चरण शरण हों आयो
हीन जान मोहि ना ठुकराओ
पदरज मोहि बनाओ, दरस दिखराओ, मैं..।
और न कोई सुनवे वारो
कोई न मेरो है रखवारो
बरसाने में बसाओ, दरस दिखराओ, मैं..।
तेरे ही आधीन कन्हैया
मन मोहन वंशी के बजैया
मेरे जिय में रस सरसाओ, दरस दिखराओ, मैं..।
तुमते धनी भये गिरिधारी
तुम ते ही भये रासविहारी
तुमते ही (हरि) रस पायो, दरस दिखराओ, मैं..।

सहारो राधा रानी को, जाकी सरन बसै ब्रजराज।।

जाकी भौंह तकै मनमोहन
संग डोलै ना छोड़ै गोहन
सरन सुकुमारी को, जाकी सरन बसै ब्रजराज।
जाके गुन बांसुरिया गावै
राधा राधा गाय सुनावै
नाम रटू वाही को, जाकी सरन बसै ब्रजराज।
जापै प्यारो बलि-बलि जावै
जैसे भंवरा कमल लुभावै
रूप ध्याऊं वाही को, जाकी सरन बसै ब्रजराज।
जाके पांय परत गिरिधारी
जब-जब रूठै राधा प्यारी
शरन लऊं वाही को, जाकी सरन बसै ब्रजराज।।

------o------

राधे क्लेशनाशनी भाम, जय श्री गौरांगी राधे।।

ऐसो प्रेम दियो ब्रजबालन
पकर नचाये नंद के लालन
राधे प्रेम दायिनी बाम, जय श्री गौरांगी राधे।

कंस, कंस के साथी असुरन
ना झांके बरसाने गलियन
राधे गौर तेज की धाम, जय श्री गौरांगी राधे।
सब जग जिनकी रहै शरण में
वे हरि इनकी रहैं शरण में
हरि रटैं यह राधा नाम, जय श्री गौरांगी राधे।
संकट हरणी भक्त तारणी
शरणागत उद्धार कारिणी
जाको बरसानो है गाम, जय श्री गौरांगी राधे।।

------o------

गई री गई कहाँ गोरी एक भोरी सी,
हाय कहा जाने मोपै कर गई रे।।

बड़े-बड़े नैना कोर नुकीले
हाय मारी नैन कटारी रे, गई री गई..।
काजर रेख बान लगे नैनन
मोहन धनुष चलाई रे, गई री गई..।
गोरे-गोरे गालन मुख में बीरी
हाय लाली हिय में समाई रे, गई री गई..।

मोतिन हार सुरंग रंग अंगिया
हाय कैसी चूनर ओढ़ाई रे, गई री गई..।
चलती चाल बह झूम झूम के
हाय कैसी लंहगा घुमाई रे, गई री गई..।।

------o------

सज के चली राधा प्यारी, अरे राधा प्यारी।।

बेंनी फूलन गुच्छा सोहै
मोतिन मांग संवारी, अरे राधा प्यारी, अरे..।
बड़ी-बड़ी अँखियां बड़ी सलोनी
काजर रेख संवारी, अरे राधा प्यारी, अरे..।
अंगिया सुरंग चूनरी पचरंग
सोहै झूमक सारी, अरे राधा प्यारी, अरे..।
गोरे-गोरे हाथन मेंहदी रच रही
उंगरिन मुंदरी भारी, अरे राधा प्यारी, अरे..।
हंस-हंस बात करति सखियन सौं
मिल गये कुंजविहारी, अरे राधा प्यारी, अरे..।।

------o------

श्री कृष्ण माधुरी

ऐसो चटक-मटक कौ ठाकुर, तीनों लोकनहूँ में नाय।

तीन ठौर ते टेढ़ौ दीखै
नट की सी चलगत ये सीखै
टैढ़ी सैन चलावै तीखे
सब देवन कौ देव, तऊ ब्रज में यह घेरे गाय।
ब्रह्मा मोह कियो पछतायो
गर्व इन्द्र कौ दूर भजायो
दर्शन कौ शिव ब्रज में आयो
ऐसौ वैभव वारौ तौ भी ब्रज में गारी खाय।
बड़े-बड़े असुरन कूँ मार्‌यो
नाग कालिया पटक पछार्‌यौ
सात दिना तक गिरिवर धार्‌यौ
ऐसौ बली तऊ ग्वालन पै खेलत में पिट जाय।
रूप छबीलौ है ब्रज सुन्दर
बिना बुलाये डोलै घर-घर
प्रेमी ब्रज गोपिन कौ चाकर
ऐसौ प्रेम बंध्यो माखन की चोरी करवे जाय।।

ब्रज कौ रसिया रंगरंगीलौ, मेरौ मोहन अलबेलो।।

ऋषी मुनी जब यज्ञ करावैं
वेद मन्त्र सौ याय बुलावैं
कंचन की वेदी सजवावैं
ब्रज की कीच लगै याय प्यारी,लौटै मटमैलो।
जोगी जाय समाधि लगावैं
युग-युग साधन करकैं ध्यावैं
ज्योती हू कौ ध्यान न पावैं
ब्रज में प्रगट रूप सौं खेलै, ग्वालन कौ मेलो।
ज्ञानी याकौ देख न पावैं
याते निराकार बतरावैं
हाथ जोर कै अरज सुनावैं
ब्रज में गोपी गारी देवैं भड़ुआ सौतेलो।
देव जनन हू पार न पावैं
देखत चरित मोह उपजावैं
लीला देख देख पछतावैं
बछरन ते बतरावै ब्रज में, डोलै घर गैलो।।

मुरली वारौ मेरौ प्यारौ, जाकौ मोर मुकुट चमकै।।

मुकुट पेच तुर्रा औ कलगी
मोतिन लरी आंड़ सौं हिलगी
रस के भरे कपोल, गाल पै कुण्डल दुति दमकै।
बीरा मुख में सुन्दर वासा
तन ज्योती गज मोती नासा
अरुण अधर पै हरे बांस की बंशी सुर सरकै।
धातू तिलक अंग पर गुञ्जा
कनक लकुट मोतिन लर पुञ्जा
चन्दन देह उंगरियन मुंदरी, सीस पाग ररकै।
काजर रेख नैन रतनारे
गल वैजन्ती माला धारे
कठुला गरवा हाथन कंकण, चाल चलत खनकै।
पीरी धोवती तन पै आछी
लाल काछनी कटि में काछी
रुनझुन-रुनझुन नूपुर बाजै, चलगत में ठमकै।
दरसन करवे गोपी आवै
गावैं नाचैं और रिझावैं
बजने बिछुआ कमर कौंधनी, हाथ चुरी झनकै।।

बंसीवारे ते लगाय लै गोरी नेह,प्रेम रस आवैगो।।

चन्दा कौ सो रूप हेरी बिन रसिया बेकार
बिन चकोर को रीझ करै,जो खाय लेत अंगार
रीझ को रीझैगो, बंसी वारे ते..।
माखन कौ सौ मनुआ तेरो जोबन दूध-दुधार
घूँघट कौ क्यों जामन देवै फट जाय जिया हमार
स्वाद कौन पावैगो, बंसी वारे ते..।
हेरी मेरी गूजरी लै चूनरी तन धार
अंगिया फरिया और तरहरिया लहंगा घूम-घुमार
श्याम तोय पावैगो, बंसी वारे ते..।
गोरी बैंयन नीली चुरियाँ नथ मोतिन झलकार
बजने बिछुआ और कौंधनी पायल की झनकार
सुनैगो तोय लै जायगो, बंसी वारे ते..।
शीश फूल माथे पै बैंदी नैना हैं कजरार
मेंहदी रची कान में झुमके नारौ झुब्बादार
श्याम ढिंग आवैगो, बंसी वारे ते..।।

------o------

खिलौना चन्दा लैहौं, लाय दै री जसुदा माय।।

मैं तो तेरौ लाला प्यारौ
तेरो लाड़ बहुत है भारौ
चन्दा है जग कौ उजियारौ
गरे कौ हार बनैहौं, लाय दै री जसुदा..।
आजा-आजा टेर बुलाऊँ
हाथन कौ झालौ दिखराऊँ
न आवै जब मैं दुख पाऊँ
आज नाय भोजन करिहौं, लाय दै जसुदा..।
समझावै लै जसुदा रानी
लाला नें नाय एकौ मानी
जब थारी भर लाई पानी
तोहि मैं चन्दा दैहौं, लाय दै री जसुदा..।
पानी में चन्दा की झांई
पकरै श्याम हाथ नाय आई
कह्यो मात तैं रोय भजाई
काल मैं फेर बुलैहौं, लाय दै री जसुदा..।।

मोहन है चित्त कौ चोर, ढुंढवाय लै मेरी भायेली।।

खोर सांकरी जाय रही हौं
वंशी की भई घोर, ढुंढवाय लै मेरी भायेली।
आय गयो नन्द कौ उत्पाती
दान लैन की ठौर, ढुंढवाय लै मेरी भायेली।
अचक-अचक मेरौ घूँघट खोल्यो
मटकी दीनी फोर, ढुंढवाय लै मेरी भायेली।
मोय पकर कैं बैंया झटकी
ऐसो बन्यो छिछोर, ढुंढवाय लै मेरी भायेली।
वा दिन ते मेरी प्रीति लगी है
जैसे चन्द्र-चकोर, ढुंढवाय लै मेरी भायेली।
चलत फिरत मोय वोई दीखै
सुन्दर श्याम किशोर, ढुंढवाय लै मेरी भायेली।
नील वरन पहरे पीरो पट
ऐसौ माखन चौर, ढुंढवाय लै मेरी भायेली।।

------o------

श्री नन्दबाबा के लाल, हमारे अइयो बारिवर में।।

कारी काजर धौरी धूमर, गैयन के रखवार। हमारे..
मोर मुकुट कानन में कुण्डल, नैना बड़े विशाल।
हाथ लकुट कम्मर की खोई, गल वैजन्ती माल।
पीताम्बर पै पटका फहरै, बड़े गज़ब की चाल।
इन्दर कोप कियो ब्रज ऊपर, बरस्यौ मूसर-धार।
सात बरस के कुँवर कन्हैया, गिरिवर लियौ उठाय।

------o------

मैंने तोसौं नैंन लगाये, कहा करैगो कोई रे।।

मैं तो चरण कमल लपटानी, होनी होय सो होई रे।
घूँघट खोल उजागर नांची, लोक की लाज डुबोई रे।
लागी ऐसी लगन बिहारी, कुल मर्यादा खोई रे।
तेरे मिलवे कारन प्रियतम, अँसुवन माल पिरोई रे।
वन वन घायल फिरी दरद में, मिल्यौ न तू निरमोई रे।
कोई कहे ये मर्म रीझ की, जाने मन की धोई रे।
हीरा प्रेम जौहरी जानें, प्रीति दिवानी जोई रे।
मैं माधव की माधव मेरे, ऐसी प्रीति संजोई रे।
माधव माधव रटते रटते, मैं भी माधव होई रे।।

मैं कैसे प्रीति लगाऊँ री, मनमोहन बंसी वारे ते।।

मै गोरी मेरौ मनुवा गोरो,
मैं कैसे अंग छुआऊँ री या तन और मन के कारे ते।
मैं भोरी मेरौ मनुआ भोरो,
अरि मैं कैसे पतियाऊँ री या चंचल नैना वारे ते।
बेटी बहू बड़े घर की मैं,
मैं कैसे नात जुराऊँ री या द्वै बापन के वारे ते।
सखी सहेली बड़े घरन की,
अरि मैं कैसे बतराऊँ री या गाय चरावनहारे ते।
रतनन कौ श्रृंगार सजी मैं,
मैं कैसे गाँठ मिलाऊँ री या माखन चोरनहारे ते।
खिलती सोने की चंपा मैं,
कैसे रूप बचाऊँ री कारे भंवरा मतवारे ते।
बिना बुलाये संग ही आवै,
अब तो बच नहि पाऊँ री वा रसिया मन के प्यारे ते।।

------o------

ऐसौ भयो नन्द कौ ढोटा, याय नाय लाज रही।।

गैल गिरारे उझकत डोलै
चलत सुनावत मीठे बोलै
हंसत-हंसत घूँघट कूँ खोलै
समुझै और बात नाय मानै, डरपै नेंक नही।
कबहूं लै लै नाम बुलावै
अरी सहेली कित कूँ जावै
ते पै नेंक डट्यौ नाय जावै
गोता लै लै प्रेम नदी में, ब्रज में जो बही।
कबहू मारग रोक लकुट ते
छांह करे मेरी मोर मुकुट ते
ब्यार करे मेरी पीरे पट ते
बैंया पकर संग लै जावै, मानैं ना कही।
देखे बिना चैन ना आवै
देखत में नैना घबरावैं
लाज निगोड़ी आड़ी आवै
तब की कहा कहौं जब वानें बैयां आय गही।।

मोहन मोय रिझाय गयौ री,बड़े नैनन कजरा वारौ।।

मो भोरी भारी पै सखि री
नैनन बान चलाय गयौ री बड़े नैनन..।
अचक आय दै झालौ मोहे
कुंजन मांहि बुलाय गयौ री बड़े नैनन..।
डरप रही मुख बोल न आवत
हंस-हंस मोय मनाय गयौ री बड़े नैनन..।
हौं सकुचत नहीं जात री बरबस
बैंया पकर लिवाय गयौ री बड़े नैनन..।
श्याम भंवर की प्रीति निराली
सब जग मोय भुलाय गयौ री बड़े नैनन..।
काजर कांटो हांसी फांसी
बावरि मोय बनाय गयौ री बड़े नैनन..।
मोहि सबै जग सांवरौ दीखै
ऐसौ रूप दिखाय गयौ री बड़े नैनन..।।

------o------

श्यामसुन्दर मन भाय गयौ री मनमोहन मुरली वारौ।

उठूँ सवेरे दही बिलोयवे
सदलौनी मेरी खाय गयौ री मनमोहन..।
सब सखियन के संग में बैठी
झालौ मार बुलाय गयौ री मनमोहन..।
पनघट पै उंचवे कूँ ठाड़ी
गगरी आय उचाय गयौ री मनमोहन..।
जमुना जी में न्हायवे जाऊँ
मेरौ चीर चुराय गयौ री मनमोहन..।
दधि मटकी लै घर ते निकसी
लूट-लूट दधि खाय गयौ री मनमोहन..।
सोय रही पलका पै इकली
वंशी मधुर सुनाय गयौ री मनमोहन..।
गहवरवन की कुञ्ज गलिन में
रास रचाय नचाय गयौ री मनमोहन..।।

------o------